Welland Goldsmith School
Class -10
Subject -Hindi (2nd Language)
Answer keysTo Ch.Bhede aur bhediye

प्रश्न

(i) "यह सब भेड़ियों की कथा है" - इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) चुनाव के समय भेड़िये का प्रचार किसने और किस प्रकार किया ?

(iii) भेड़ों को क्या विश्वास हो गया था और क्यों ? समझाकर लिखिए।

(iv) सियारों ने भेड़िये का प्रचार क्यों किया था?

उत्तर-

(I) सब भेड़ियों की कथा से तात्पर्य है- सत्ताधारी भ्रष्ट शोषक वर्ग शोषक वर्ग। शोषक वर्ग अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए मिथ्या प्रचार करता है। शोषक वर्ग के आश्रय पर पलने वाला समाज का चापलूस और स्वार्थी वर्ग जिसका प्रतीक यहां सियार को बनाया गया है, उनके प्रचार में योगदान देता है और उनके पक्ष में जनमत तैयार करता है। चुनाव में भेड़ियों को सफलता मिलती है और फिर भी भेड़ रुपी समाज के भोले भाले शोषित वर्गों का खुलकर शोषण करते हैं।

(¡¡) चुनाव के समय भेड़ियों का प्रचार सियारों ने किया। बूढ़े सियार और तीन रंगे सियारों ने भेड़िए को संत बताकर उसकी झूठी प्रशंसा की थी और उनके पक्ष में जनमत तैयार किया था ।पीले सियार ने कवि और लेखक की नीले सियार ने पत्रकार की और हरे सियार ने धर्मगुरु की भूमिकाएं निभाई थी।

(iii) भेड़ों विश्वास हो गया था कि भेड़िया अब संत बन गया है ।वह शाकाहारी बन चुका है। उसका हृदय परिवर्तन हो गया है। यदि भेड़िया चुनाव में जीता तो वह भेडों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करेगा और उनकी विजयी होने पर भेड़ निर्भय होकर जीवन बिता सकेगी।

भेड़े अत्यंत ही नेक, ईमानदार, कोमल, विनयी, दयालु और निर्दोष थीं और वे भ्रष्ट सियारों की बातों में आकर भेड़ियों को अपना शुभचिंतक तथा हितरक्षक मानने लगी थी।

(iv) सियार समाज के स्वार्थी और अवसरवादी भ्रष्ट चापलूस लोगों के प्रतीक हैं। ऐसे लोग शोषक वर्ग की दया पर पलते हैं और उनके हर अनैतिक और गलत कार्यों में उनका हाथ देते हैं। बूढ़ा सियार भी भेड़िए द्वारा फेंकी गई हड्डियों को चूस चूस कर खाता था। इन लोगों की स्वार्थपरता इन्हें मानवता विरोधी बना देती हैं। भेड़िए के जीतने पर अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए ही सियारों ने चुनाव में उसका प्रचार किया था।

२) पशु-समाज में इस 'क्रांतिकारी' परिवर्तन से हर्ष की लहर दौड़ गई कि सुख-समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण-युग अब आया और वह आया।

प्रश्न

(i) पशु-समाज की खुशी का क्या कारण था ?

(ii) 'क्रांतिकारी' से क्या तात्पर्य है ? यहाँ इस शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है ? समझाकर लिखिए।

(iii) चुनाव की घोषणा होते ही भेड़ियों ने क्या सोचा ? चुनाव के बाद भेड़ियों ने पंचायत में पहला कानून क्या बनाया ?

(iv) प्रजातंत्र किसे कहते हैं ? भारतीय प्रजातंत्र में क्या खामियाँ हैं और इसका निवारण कैसे किया जा सकता है ? अपने शब्दों में उत्तर दीजिए।

उत्तर-

पशु समाज की खुशी का कारण यह था कि वन प्रदेश में सभ्यता के विकास के उपरांत एक अच्छी शासन-व्यवस्था की स्थापना के लिए प्रजातांत्रिक सरकार के लिए चुनाव की आवश्यकता महसूस की गई।

(ii)' क्रांतिकारी' से तात्पर्य है -बदलाव लाने वाला। पशु समाज ने अपने भविष्य को संवारने के लिए तथा भयमुक्त समाज का निर्माण करने के लिए वन प्रदेश में अपने जनप्रतिनिधियों को चुनने का निर्णय लिया। यह क्रांतिकारी परिवर्तन था जिससे पूरे वन प्रदेश में खुशी की लहर चल पड़ी ।भेड़ो ने सोचा कि अब उनका भय दूर हो जाएगा तथा शांति बंधुत्व और सहयोग पर आधारित समाज की स्थापना हो पाएगी।

(iii) चुनाव की घोषणा होते ही भेड़ियों ने यह सोचा कि अब उनका संकटकाल आ गया है।वन प्रदेश में भेड़ों की संख्या बहुत ज्यादा है इसलिए चुनाव के बाद पंचायत में उनका ही बहुमत होगा और वह अपने हितों की सुरक्षा के लिए कानून बनवाएँगे कि कोई पशु किसी को न मारे। ऐसी स्थिति में भेडियो को घास चरना सीखना पड़ेगा ।चुनाव के बाद पंचायत में भेड़िए प्रतिनिधि बनकर आए और उन्होंने भेड़ों की हितों की भलाई के लिए पहला कानून बनाया कि हर भेडियो को सवेरे नाश्ते के लिए भीड़ का एक मुलायम बच्चा, दोपहर के भोजन में एक पूरी भेड़ और शाम को स्वास्थ्य का ख्याल से आधी भेंड़ दी जाए।

(iv) प्रजातंत्र का मतलब होता है जनता द्वारा जनता का शासन, प्रजातंत्र में सत्ताआम आदमी के हाथ में होती है क्योंकि जनता चुनाव के द्वारा अपने जनप्रतिनिधियों को चुनकर संसद में भेजती है जहाँ वे सरकार का गठन करते हैं और जनहित के लिए कानूनों का निर्माण करते हैं।

पूरी दुनिया में प्रजातांत्रिक सरकार व्यवस्था को ही सर्वोत्तम माना गया है। भारत में भी प्रजातंत्र है लेकिन इसकी कुछ खामियाँ भी है जिसमें सबसे प्रथम है- अशिक्षा भारत में शिक्षा की दर विश्व की तुलना में कम है जिसके कारण कुछ भ्रष्ट राजनीतिज्ञ अपने चापलूसो के प्रचार का सहारा लेकर अपने पक्ष में जनमत तैयार कर लेते हैं ।ये नेतागण भोली भाली मासूम जनता को झूठे सपने दिखा कर उनका वोट प्राप्त कर लेते हैं और सरकार बना कर सत्ता की ताकत का दुरुपयोग करते हैं।